सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 36 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 8 मार्च, 2025

मूल्य ₹ 3/-

कोई भी मूर्ख आलोचना, निंदा, और शिकायत कर सकता है और ज्यादातर मूर्ख करते हैं।
-डेल कार्नेगी

दिल्ली कैपिटल्स का प्लेऑफ का... 7 | केजरीवाल की सुरक्षा पर सियासी... 3 | कुछ लोगों को झूठ बोलने की... 2

कांग्रेस ने फिर शुरू किया सरकार को घेरने का अभियान

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारत के पश्चिम से शुरू किया दौरा

» गुजरात में फुलप्रूफ प्लान के साथ उतरेगी कांग्रेस

» पार्टी नेताओं के साथ राहुल ने की बड़ी बैठक, दिया चुनाव जीतने का मंत्र

» ईगल समूह ने चुनाव आयोग पर फिर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस ने अब पीएम मोदी के गृहराज्य गुजरात पर नजर गड़ा दी है। नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने इसी के मद्देनजर देश के दो महत्वपूर्ण पश्चिमी राज्यों का दौरा शुरू कर दिया है। उन्होंने जहां शुक्रवार को महाराष्ट्र दौरे के दौरान मुंबई के धारावी में लोगों से मुलाकात की तो शनिवार को वह गुजरात में थे। उन्होंने वहां पार्टी के लोगों के साथ आगामी आने वाले चुनावों पर चर्चा भी की।

इस बीच उन्होंने भाजपा व पीएम मोदी पर भी हमला करने से गुरेज भी नहीं किया। गुजरात में भाजपा को हराने के लिए एक मजबूत योजना पर ध्यान केंद्रित करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पूर्व अध्यक्षों, पूर्व विपक्ष के नेताओं, राजनीतिक मामलों की समिति के सदस्यों, जिला शहर अध्यक्षों और राज्य के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों के साथ बातचीत की। वहीं कांग्रेस के ईगल समूह ने चुनाव आयोग पर भी हमला किया है। उसने चुनाव आयोग पर मतदाता क्रमांकों मे धांधली का आरोप लगाया है।

अपनी जिम्मेदारियां निभाएंगे तभी चुनाव जीतेंगे : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि जब तक हम अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करेंगे, गुजरात की जनता हमें चुनाव नहीं जिताएगी। जब तक हम अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करेंगे, हमें गुजरात की जनता से सत्ता में आने के लिए भी नहीं कहना चाहिए। मैं आपको गारंटी देता हूं कि जिस दिन हम ऐसा करेंगे, गुजरात की जनता कांग्रेस पार्टी को अपना समर्थन देगी। इसके अलावा अहमदाबाद में उन्होंने एक सभा को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि हमें यहां सत्ता में आए करीब 30 साल हो गए हैं। जब भी मैं यहां आता हूं, 2007, 2012, 2017, 2022, 2027 के विधानसभा चुनावों की चर्चा होती है। लेकिन सवाल चुनाव का नहीं है।

अंग्रेजों के जमाने से प्रतिनिधित्व करती रही है कांग्रेस

राहुल ने कहा कि जब कांग्रेस पार्टी को अंग्रेजों का सामना करना पड़ा, तो हम हर जगह नेतृत्व की तलाश कर रहे थे। अंग्रेज हमारे सामने थे, कांग्रेस पार्टी भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करती थी, लेकिन हमारे पास कोई नेता नहीं था। नेता कहां से आया? नेता दक्षिण अफ्रीका से आया। महात्मा गांधी कौन थे और उन्हें हमें किसने दिया? राहुल गांधी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने उन्हें नहीं दिया। गुजरात ने कांग्रेस पार्टी को हमारा मूल नेतृत्व दिया और उस नेतृत्व ने हमें सोचने का तरीका, लड़ने का तरीका, जीने का तरीका दिया।

गांधी जी के बिना कांग्रेस पार्टी देश को आजादी नहीं दिला पाती

गांधी जी के बिना कांग्रेस पार्टी देश को आज़ादी नहीं दिला पाती और गुजरात के बिना गांधी जी नहीं होते। उन्होंने कहा कि अगर हमें रास्ता दिखाया गया, हमारे संगठन को रास्ता दिखाया गया, भारत को रास्ता दिखाया गया, तो गुजरात ही था जिसने हमें रास्ता दिखाया। राहुल ने कहा कि मैंने कल वरिष्ठ नेताओं, जिला और ब्लॉक अध्यक्षों से मुलाकात की। मेरा लक्ष्य था- आपके दिल की बातें जानना और समझना। इस बातचीत में संगठन, गुजरात की राजनीति और यहां की सरकार के कामकाज से जुड़ी बहुत सी बातें सामने आईं। लेकिन मैं यहां सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लिए नहीं आया हूं, बल्कि प्रदेश के युवाओं, किसानों, महिलाओं और छोटे व्यापारियों के लिए आया हूं।

भारत के नागरिक चुनाव आयोग के किस कथन पर विश्वास करें : ईगल

ईसीआई कहता है, मतदाता पहचान पत्र क्रमांक के दोहराव का मुद्दा दशकों पुराना मुद्दा है। इस पर ईगल ने सवाल किया, भारत के नागरिकों को आयोग के किस कथन पर विश्वास करना चाहिए? आज एक औसत भारतीय मतदाता को चुनाव आयोग पर भरोसा क्यों करना चाहिए?उसने यह भी पूछा ऐसा कैसे है कि 17 साल बाद, ईसीआई प्रक्रिया को साफ करने के लिए एक निकाय के गठन की बात करता है? क्या ईसीआई हमेशा से ही भारत के मतदाताओं के सामने गलत बयानी कर रहा था कि मतदाता-पहचान पत्र विशिष्ट हैं? यदि हां, तो ऐसी अन्य प्रक्रियाएं क्या है जिनके बारे में ईसीआई अपने नागरिकों को गलत जानकारी दे रहा है?ईगल ने कहा राहुल गांधी और कई अन्य दलो ने निर्वाचन आयोग से महाराष्ट्र मतदाता सूची की एक प्रति उपलब्ध कराने को कहा। इस पर गहरी चुप्पी क्यों है? यह केवल उस बात की पुष्टि करता है जो कांग्रेस पार्टी कहती रही है कि वर्तमान ईसीआई के तहत मतदाता सूचियां संदिग्ध और त्रुटिपूर्ण हैं। उसने कहा कि कांग्रेस पार्टी ईसीआई के इस कमजोर और दोहरे स्पष्टीकरण को खारिज करती है और भारत में मतदाता सूचियों की शुचिता पर आयोग से खुद को पाक-साफ साबित करने की अपनी मांग दोहराती है।

कांग्रेस विशेषज्ञ समिति का आरोप- मतदाता पहचान पत्र क्रमांक में की गई हेराफेरी

कांग्रेस के नेताओं और विशेषज्ञों के विशेषाधिकार प्राप्त कार्य समूह (ईगल) ने आरोप लगाया कि मतदाता पहचान पत्र क्रमांक के दोहराव के मुद्दे पर निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने दो तरह का स्पष्टीकरण दिया है। उसने यह भी कहा कि आयोग को मतदाता सूचियों की शुचिता को लेकर खुद को पाक-साफ साबित करना चाहिए। मतदाता पहचान पत्र क्रमांक के दोहराव के मामले में लीपापोती के आरोपों के बीच निर्वाचन आयोग ने कहा कि वह अगले तीन महीनों के भीतर दशकों से लंबित मामले का समाधान करेगा। ईगल ने एक बयान में कहा, निर्वाचन आयोग ने एक ही मतदाता पहचान पत्र कई मतदाताओं को आवंटित किए जाने के मुद्दे पर दोहरी प्रतिक्रिया जारी की है।

आयोग कमजोर स्पष्टीकरण देने के लिए अपनी प्रक्रियाओं के पीछे छिप जाता है। उसको यह स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा है कि उसकी मतदाता सूचियां त्रुटिपूर्ण हैं और भरोसेमंद नहीं हैं। उसने कहा,चुनाव आयोग ने 18 सितंबर, 2008 को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को जारी एक पत्र में कहा था कि मतदाता-आईडी विशिष्ट हैं।

कुछ लोगों को झूठ बोलने की आदत होती है : रामगोपाल

» सपा सांसद ने 130 नावों को चलाने वाले नाविक पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने प्रदेश के मौजूदा व्यवस्था को लेकर भाजपा व योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। सपा सांसद ने कई मुद्दों पर बात की। सपा नेता रामगोपाल यादव ने 130 नावों को चलाने वाले नाविक पर सवाल उठाए।

प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने कहा दुनिया जानती है कि 100 प्रतिशत गलत है। इतना कोई कमाई नहीं कर सकता और नाव वाला कितना कमा लेगा 45 दिन में क्या वह 30 करोड़ कमा लेगा एक लाख या 75000 रोजाना नहीं कमा सकता है, झूठ बोलने की आदत है, ऐसा है कि जब लोगों को झूठ बोलने की आदत हो जाए फिर वह सही बोलने से परहेज करने लगते हैं। सपा नेता रामगोपाल यादव ने कहा मोहम्मद बिन तुगलक तो बहुत बड़े आदमी और बहुत काबिल आदमी हैं। उन्हें शायद इतिहास का ज्ञान नहीं मुझे लगता है वहीं यह गवर्नमेंट कोई काम करना नहीं जानती सिर्फ नाम बदलने के कभी कोई नया काम किया एक नया काम बता दीजिए इस सरकार का जो उसने किया हो इसके नाम बदलने के. जो लोग धोखा देने का काम करते हैं वह इस तरह के काम करते हैं। वहीं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय पर होली को लेकर सपा नेता ने कहा उनके वहां लोकल परिस्थितियों कुछ हो सकती हैं मुझे जानकारी नहीं है। लोकल परिस्थितियों हो सकती है क्योंकि उन्हें लग रहा हो की होली के नाम पर ही लोग कुछ गड़बड़ियां शुरू करते हैं और एक भी गड़बड़ी हुई तो दंगा हो जाएगा।

व्यवस्था बदलेगी तो जेल में होंगे सीओ अनुज चौधरी

प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने सीओ अनुज चौधरी पर आरोप लगाते हुए कहा कि अनुज चौधरी ने तो दंगे ही कराए थे। अनुज चौधरी कह रहे थे गोली चलाओ गोली चलाओ वही सीओ है जो उनसे क्या उम्मीद करोगे वह कभी ठीक बात करता है। जब कभी व्यवस्था बदलेगी तो ऐसे लोग जेल में रहेंगे।

अबू आजमी के समर्थन में उतरे रामगोपाल यादव

प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने कहा कि अबू आजमी ने क्या बोला जो बोला क्या वह सही नहीं और जो मीडिया ने दिखाया वह सही नहीं दिखाया, उन्होंने औरंगजेब के बारे में यह कहा कि उसने मंदिर नहीं तोड़े औरंगजेब ने सबसे ज्यादा मंदिर तोड़े और औरंगजेब ने कुछ मंदिरों के लिए पैसा भी दिया। उन्होंने उड़ीसा के गवर्नर थे पांडे जी उन्होंने इलाहाबाद में एक मुकदमा चल रहा था पुराना रिकॉर्ड निकला तो वह अरबी में था जब उसका ट्रांसलेशन कराया गया इस मंदिर की इस मंदिर को इतना पैसा कि उसे मंदिर को इतना पैसा औरंगजेब ने दिया है लेकिन अब समय ऐसा है कि ऐसे बयान देने नहीं चाहिए।

अमेरिका के सामने सरेंडर

सपा नेता ने कहा कि जब हमारे देश ने अमेरिका के सामने सरेंडर तक कर दिया है यह क्या अपमान है। हमारे लोगों को जंजीरों में बांध के लाया गया छोटा सा देश था उसने कहा कि हम विमान नहीं उतरने देंगे। इससे पता ही नहीं चलता कि किस तरह की गवर्नमेंट है।

11 दिन ही टिकी गुजरात में समाजवादी पार्टी की खुशी, सदस्यों ने पलटी मारी, छोटा उदयपुर निगम पर बीजेपी का कब्जा

16 फरवरी को गुजरात में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में समाजवादी पार्टी को जो खुशी मिली, वह 11 दिन बाद ही सदस्यों के दलबदल के बाद गायब हो गई। छोटा उदयपुर में सपा सदस्यों के बीजेपी में शामिल होने के बाद पार्टी को तगड़ा झटका लगा। हालांकि बीएसपी के भी तीन सदस्य बीजेपी में शामिल हुए, मगर गुजरात जैसे राज्य में सपा की पहली बड़ी जीत के बाद सदस्यों के पाला बदलने से खेल ही पलट गया। बीजेपी ने 25 साल बाद छोटा उदयपुर निगम बोर्ड पर कब्जा कर लिया। बीजेपी ने 68 में से 60 नगरपालिकाओं के साथ-साथ तीनों तालुका पंचायतों पर जीत दर्ज की थी। इन चुनावों में सबसे चकित करने वाला रिजल्ट छोटा उदयपुर का रहा था, जिसे 25 साल बाद बीजेपी ने कांग्रेस से छीन ली। चुनाव में बीजेपी को 28 में सिर्फ 8 सीटें मिली थीं, मगर बीएसपी के 3 और समाजवादी पार्टी के 6 सदस्यों के शामिल होने के बाद उसका छोटा उदयपुर नगर पालिका पर कब्जा हो गया। अब पालिका बोर्ड में बीजेपी के सदस्यों की संख्या 20 हो गई है। दलबदल के बाद बीजेपी ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध जीत हासिल कर ली। बुधवार को मंजूला कोली को अध्यक्ष और परवेज मुस्तफा मकरानी को उपाध्यक्ष चुना गया।

मौलाना शहाबुद्दीन सिरफिरा

मौलाना शहाबुद्दीन रिजवी बरेलवी को लेकर प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने कहा कि कुछ लोग सिरफिरे होते हैं जो इस तरह की बात करते हैं इसमें पूरे मुस्लिम समाज की बात मत करिए कोई मुस्लिम समाज ऐसा नहीं कहता। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अबू आजमी को ठीक करने पर बोले उनको कही और भेज दिया जाए तो लोग उनका इलाज कर दें।

अस्पताल की व्यवस्था पर भड़के पप्पू यादव

» पटना में भीषण सड़क हादसा, दंपति समेत तीन लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है, जिसमें जिसमें दंपति समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोगों की हालत गंभीर है। घटना पटना के जगदेव पथ की है। उसी समय वहां गुजर रहे पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया पर वहां की व्यवस्था देखकर वह भड़क गए।

उधर लोगों का कहना है कि घटना होते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई, लेकिन लोग तमाशबीन बनकर मोबाइल से वीडियो बनाते रहे, लेकिन किसी ने उन घायलों को अस्पताल पहुंचाने की पहल नहीं की। इस वजह से दंपति सहित तीन लोगों की मौत हो गई। मृतक दंपति की पहचान एम्स नवादा निवासी अशोक कुमार (50) और उनकी पत्नी पुष्पा देवी (45) के रूप में की गई घटना के समय एक निजी शादी समारोह लौट रहे पूर्णिया सांसद पप्पू यादव उधर से गुजर रहे थे। घटनास्थल पर लोग मोबाइल से वीडियो बना रहे थे। लेकिन पप्पू यादव तत्पर होकर

सभी घायलों को अपने निजी गाड़ी से आईजीआईएमएस अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचते ही वहां की अव्यवस्था को देखकर वह भड़क गये और अपने समर्थक को कहा कि कोई स्टाफ और डॉक्टर यहां अस्पताल में नहीं है क्या..मनीषा मंडल को फोन लगाओ। उनकी यह बात सुनकर अस्पताल के स्टाफ दौड़कर घायल लोगों को गाड़ी से उतारा और अस्पताल में भर्ती कराया। सांसद पप्पू यादव ने अस्पताल के चिकित्सकों से भी बातचीत की और घायलों के समुचित इलाज कराने जाने को सुनिश्चित कराया। जानकारी के मुताबिक इस घटना मेंअब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें एक दंपति भी हैं। बताया जा रहा है कि सफारी गाड़ी में सवार सभी शराब पीये हुए थे। लोगों का यह भी कहना है कि सफारी गाड़ी जिसने बाइक और ऑटो में टक्कर मारी है, उसमें शराब भी था। फिलहाल पुलिस ने उन लोगों को हिरासत में लेकर गाड़ी को जब्त कर लिया है।

ललित मोदी बने वानुआतु राष्ट्र के नागरिक

लंदन में जमा कर दिया भारतीय पासपोर्ट, अब आसान नहीं होगा उनका प्रत्यर्पण

» इससे पहले मेहुल चोकसी भी एंटीगुआ राष्ट्र की हासिल कर चुके हैं नागरिकता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष और आईपीएल के संस्थापक ललित मोदी ने वानुअतु की नागरिकता प्राप्त कर ली है। उनके कानूनी सलाहकार महबूब अबदी ने इस खबर की पुष्टि की। महबूब अबदी ने बताया कि ललित मोदी ने भारतीय पासपोर्ट को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सकारात्मक रूप से सरेंडर करने के सभी आवश्यक कदम उठाए हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ललित मोदी के खिलाफ किसी भारतीय एजेंसी द्वारा किसी भी अदालत में कभी भी आरोप पत्र या शिकायत नहीं दायर की गई है और न ही किसी भारतीय अदालत में उनके खिलाफ कोई आरोप तय किए गए हैं। ललित मोदी की नागरिकता का यह कदम कई साल बाद सामने आया है। आईपीएल के संस्थापक के रूप में ललित मोदी के ऊपर कई तरह के आरोप लग चुके हैं।

वापस लाने में बढ़ेगी मुश्किलें

वानुआतु एक दक्षिणी प्रशांत द्वीप राष्ट्र है और अब ललित मोदी यहां के नागरिक बन गए हैं। भारत सरकार को अब ललित मोदी को वापस लाने में मुश्किलें और बढ़ेंगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ललित मोदी ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में अपना पासपोर्ट जमा करने के लिए आवेदन किया है। मौजूदा नियमों और प्रक्रियाओं के तहत इसकी जांच की जाएगी। हमें यह भी बताया गया है कि उन्होंने वानुअतु की नागरिकता हासिल कर ली है।

मेहुल चोकसी बन चुके हैं एंटीगुआ के नागरिक

हम कानून के तहत उनके खिलाफ मामले को आगे बढ़ा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वित्तीय अनियमितताओं, मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच साल 2010 में ललित मोदी भारत छोड़कर लंदन भाग गए थे। इससे पहले भगोड़े मेहुल चोकसी ने भी एंटीगुआ की नागरिकता हासिल करके कानून से बचने का रास्ता निकाला था। यानी, वानुआतु की नागरिकता हासिल करने के बाद भारत सरकार और ईडी के लिए ललित मोदी का प्रत्यर्पण एक बड़ी चुनौती होगी।

मजबूत लोकतंत्र महिलाओं की सहभागिता के बिना संभव नहीं : अजय राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महिला दिवस की पूर्व संध्या पर कांग्रेस की वरिष्ठ महिला कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने उनके आवास पर जाकर सम्मानित किया और पार्टी के लिए निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने महिलाओं को सम्मानित करते हुए आधी आबादी (नारी शक्ति) को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र महिलाओं की सहभागिता के बिना संभव नहीं है। कांग्रेस का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। आजादी की लड़ाई में हमारे देश की आधी आबादी नारी शक्ति बढ़ चढ़कर भागीदारी निभाई है।पूर्व मंत्री राय ने कहा कि 1992 में हुए 73 और 74 वें संशोधन द्वारा पंचायतों और निकाय चुनावों में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देकर राजनीति में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की। इस दौरान उन्होंने पार्टी की वरिष्ठ महिला नेता अनुसुईया शर्मा, बेगम इशरत रसूल और सुशीला सोनकर के आवास पर जाकर उन्हें सम्मानित किया। इस दौरान मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, पंकज तिवारी, विजय बहादुर, संजय सिंह, आशुतोष मिश्रा, विजय पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

केजरीवाल की सुरक्षा पर सियासी संग्राम

भाजपा ने किया हमला, गृहमंत्रालय ने दी जेड प्लस की सुरक्षा

» पंजाब में भारी-भरकम सुरक्षा को लेकर विपक्ष के निशाने पर पूर्व दिल्ली के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब में जबसे आप संयोजक केजरीवाल सक्रिय हुए हैं वहां की राजनीति में उठापटक जारी है। बता दें जबसे दिल्ली में आप की सरकार गई है तब से दिल्ली के पूर्व सीएम पंजाब में कई दौरे कर चुके हैं। उसको लेकर वह विपक्षी दलों के निशाने पर भी आ गए हैं।

उधर आप संयोजक की जान के खतरे को देखते हुए गृहमंत्रालय ने उनको जेडप्लस की सुरक्षा बहाल कर दी है। आप के राष्ट्रीय संयोजक से पंजाब के होशियारपुर में विपश्यना ध्यान शिविर में गए थे। अरविंद केजरीवाल के विपश्यना में जाते ही दिल्ली के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा चंडीगढ़ पहुंचे। सिरसा ने केजरीवाल पर निशाना साधते कहा कि खुद को दिल्ली का मालिक बताने वाले अब किराएदार भी नहीं रहे।

केजरीवाल बिना कुर्सी के नहीं रह सकते : सिरसा

दिल्ली की आपदा अब पंजाब आ चुकी है। सिरसा ने कहा कि केजरीवाल बिना कुर्सी के नहीं रह सकते, इसीलिए राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को लुधियाना पश्चिमी से उपचुनाव में प्रत्याशी घोषित किया है, ताकि वे पंजाब से राज्यसभा पहुंच सकें। सिरसा इससे पहले मोहाली में 1984 के सिख दंगों के दोषी सज्जन कुमार को सजा मिलने को लेकर आयोजित समागम में शामिल हुए। उन्होंने मोहाली के फेज-5 स्थित गुरुद्वारा कलगीधर सिंह सभा में माथा टेका। उन्होंने सिख दंगों के दोषियों के बारे में 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से गठित एसआईटी की कार्रवाई की जानकारी साझा की। सिरसा ने कहा कि दिल्ली चुनाव के बाद केजरीवाल ने सीएम भगवंत मान को हटाने की पूरी तैयार कर ली थी। कई विधायकों ने समर्थन तक कर दिया था, लेकिन पंजाब सीएम की कुर्सी पर केजरीवाल के बैठने पर विधायकों ने सहमति नहीं दिखाई। केजरीवाल के विपश्यना पर सिरसा ने कहा कि काफिले में 50 गाड़ियां, 100 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी देखकर लगता नहीं कि वह ध्यान करने पहुंचे हैं।

दिल्ली के नेता अब पंजाब में घूम रहे, सीएम को नाकाम साबित करने में जुटे

मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली के आप नेता इन दिनों पंजाब में घूम रहे हैं। मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन पंजाब में बने हुए हैं। दिल्ली के कुछ सलाहकारों को सीएम मान के इर्द-गिर्द बैठा दिया गया है। बीते तीन साल में प्रदेश में नशे की समस्या खत्म नहीं होने के बाद अब युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान चलाकर तीन महीने में नशा खत्म करने की जो बात हो रही है। सिरसा ने कहा कि केजरीवाल सीएम मान को नाकाम साबित कर सत्ता पर काबिज होना चाहते हैं, जबकि दिल्ली के पूर्व मंत्री पंजाब में नए मॉडल लागू करने के नाम पर विभागों की कमान अपने हाथ में ले रहे हैं। उधर, 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की रणनीति के बारे में पूछने पर सिरसा ने कहा कि 2022 में वह अकेले चले थे। 2024 का लोकसभा चुनाव भी अकेले लड़ा। अब 2027 का पंजाब विधानसभा चुनाव भी भाजपा अकेले ही लड़ेगी।

नीतीश पर तेजस्वी का जारी है वार

» विधान सभा चुनाव-25 पर सियासी नजर

» भाजपा व राजद ने शुरू की तैयारी

» तेजस्वी विस से सड़क तक आक्रामक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में विधान सभा चुनाव साल के अंत में होने हैं। वहां पर अभी से सत्तापक्ष व विपक्ष में वार-पलटवार जारी हो गया है। एनडीए गठबंधन व एनडीए में एक-दूसरे पर हमला शुरू कर दिया है। राजद के नेता तेजस्वी यादव सीएम नीतीश कुमार हर मंच से हमला कर रहे हैं। वहीं राजद के सहयोगी नेता प्रतिपक्ष पर हमलावर है। और उन्हें अपरिपक्व नेता बता रहें है।

बिहार विधान मंडल के बजट सत्र का आज छठा दिन है। आज नीतीश सकार विधानसभा में पथ निर्माण विभाग, पंचायती राज विभाग, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, पर्यटन विभाग, अनुसूचित जाति- अनुसूचित जनजाति विभाग, कल्याण विभाग और खेल विभाग समेत विभागों का बजट पेश करेगी। वहीं प्रश्न काल दौरान स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, ऊर्जा पर्यटन से संबंधित मामलों पर एनडीए सरकार के मंत्री जवाब देंगे। खास बात यह है कि आज केवल महिला सदस्य सवाल ही पूछेंगी। इधर, महागठबंधन ने सरकार को अलग-अलग मुद्दों पर घेरने का प्लान बनाया है। विधानसभा में इसको लेकर हंगामा के भी आसार हैं। पांचवे दिन यानी बुधवार को वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने लालू परिवार पर जमकर हमला बोला था।

विधानसभा में विपक्ष के प्रदर्शन पर सीएम नीतीश भड़के

बिहार विधानसभा सत्र की शुरुआत होते ही विपक्ष के विधायकों ने महिला हिंसा के खिलाफ जमकर हंगामा किया। विधानसभा अध्यक्ष ने उन्हें समझाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं माने। इसी बीच भाकपा माले के विधायक वेल में आ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। विधायकों ने नालंदा में महिला के साथ हुए बर्बरता का मुद्दा उठाया। इसी बीच अचानक सीएम नीतीश कुमार खड़े हो गए और हंगामा कर रहे विधायकों के सामने हाथ जोड़कर कहा कि हम आप लोग के सामने हाथ जोड़ने हैं। आप लोग बात जाइए। प्रदेश अध्यक्ष अख्तरूल ईमान ने वक्फ बोर्ड बिल का विरोध किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार दुबारा काला बिल रही है। यह देश जितना जितना हिंदुओं का है, उतना ही मुसलमानों है। यह देश किसी के बाप का है। वक्फ बिल के मामले पर सीएम नीतीश कुमार और चंद्र बाबू नायडू को संज्ञान लेना चाहिए। नहीं तो इसका परिणाम उनके वोट बैंक पर पड़ेगा।उन्होंने कहा कि सीएम नीतीश कुमार सेक्युलेरिज्म का वादा निभाना चाहिए।

नीतीश कल भी नेता थे, आज भी हैं और आगे भी रहेंगे : सम्राट चौधरी

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक और कार्यकाल के लिए समर्थन देना जारी रखेगी। उन्होंने इस अफवाह को खारिज कर दिया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद एक नए नेता का चयन कर सकता है। चौधरी ने एनडीए के भीतर नेतृत्व में संभावित बदलाव के बारे में अटकलों को संबोधित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा पूरी तरह से नीतीश कुमार के साथ है, जिन्होंने 1996 से बिहार में एनडीए का नेतृत्व किया है। पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ने कहा, नीतीश कुमार कल भी नेता थे, आज भी नेता हैं और कल भी नेता रहेंगे। चौधरी ने यह भी स्पष्ट किया कि कुमार के बेटे निशांत का राजनीति में प्रवेश एक व्यक्तिगत मामला और जेडी(यू) का आंतरिक निर्णय है, और जेडी(यू) जो भी विकल्प चुनेगा, भाजपा उसका समर्थन करेगी। उन्होंने आरजेडी के मुख्य प्रतिद्वंद्वी तेजस्वी यादव द्वारा पेश की गई चुनौती को खारिज करते हुए उन्हें अपने पिता लालू प्रसाद यादव द्वारा मात्र नियुक्त व्यक्ति बताया। उपमुख्यमंत्री ने

आगे बताया कि जब जेडी(यू) विपक्ष में थी, तब भाजपा ने नीतीश कुमार की आलोचना की थी, लेकिन एक बार जब पार्टी एनडीए में वापस आ गई, तो भाजपा गठबंधन का पूरा समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा, एक बार गठबंधन में शामिल होने के बाद, भाजपा अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ 100 प्रतिशत खड़ी रहती है। चौधरी ने दिवंगत प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समर्थन से मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने की कुमार की स्वीकारोक्ति को भी याद किया और कहा कि नीतीश का नेतृत्व राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

तेजस्वी राजनीति में अपने पिता के भरोसे हैं : जीतन मांझी

नीतीश कुमार को सीएम बनाने को लेकर तेजस्वी यादव के बयान पर जीतन मांझी ने तंज कसते हुए कहा कि जब नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने थे, तब तेजस्वी यादव कबड्डी खेल रहे थे। उन्होंने कहा, तेजस्वी राजनीति में अपने पिता के भरोसे आए हैं। अगर लालू प्रसाद यादव मुख्यमंत्री नहीं होते, तो शायद तेजस्वी आज क्रिकेट खेल रहे होते। उनका कोई संस्थागत या सामाजिक योगदान नहीं है। तेजस्वी यादव द्वारा नीतीश कुमार को खटारा गाड़ी कहे जाने पर मांझी ने तीखा पलटवार करते हुए कहा कि नीतीश कुमार अभी पूरे बिहार में प्रगति यात्रा कर रहे हैं और पूरी तरह तंदुरुस्त हैं। असली खटारा तो उनके पिताजी (लालू यादव) हैं, जिनकी हालत खुद खराब है। तेजस्वी खुद भी किसी आंदोलन के उपज नहीं हैं, इसलिए अनुभव की कमी है। महागठबंधन में सीटों के बंटवारे पर चल रही खींचतान पर मांझी ने कहा कि महागठबंधन के नेता आपस में ही लड़ रहे हैं। इंडिया गठबंधन बनाने का जो उद्देश्य था, वह अब पूरी तरह चकनाचूर हो चुका है। कांग्रेस, राजद और भाकपा-माले सभी अलग-अलग ताल ठोक रहे हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मानवीय मूल्यों को बढ़ाने से हटेगी घृणा!

"नस्ल, जाति, धर्म, समुदाय या लिंग के आधार पर भेदभाव की घटनाएं दुनिया के किसी भी कोने में हों, सामाजिक विकृति की ओर ही संकेत करती है। सब जानते हैं कि ऐसे मामले दुनिया भर में पूर्वाग्रह से ग्रसित होने वाले आपराधिक तत्वों के कारण बढ़ रहे हैं। हेट क्राइम को लेकर दूसरे देशों को नसीहत देने वाले अमरीका में पिछले सालों में नस्लभेद आधारित अपराध बढ़ना वाकई चिंताजनक है।

पिछले कुछ वर्षों से देश में माहौल तल्ख चल रहा है। आदमी एक दूसरे से घृणा की भावना से भरा हुआ है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी भी समुदाय के खिलाफ घृणा का माहौल बनाने के परिणाम बेहद खतरनाक होते हैं। यह जहर धीरे-धीरे दंगे और सामूहिक नरसंहार जैसे मानवता को लज्जित करने वाले मामले बढ़ाने वाला होता है। नस्ल, जाति, धर्म, समुदाय या लिंग के आधार पर भेदभाव की घटनाएं दुनिया के किसी भी कोने में हों, सामाजिक विकृति की ओर ही संकेत करती है। सब जानते हैं कि ऐसे मामले दुनिया भर में पूर्वाग्रह से ग्रसित होने वाले आपराधिक तत्वों के कारण बढ़ रहे हैं। हेट क्राइम को लेकर दूसरे देशों को नसीहत देने वाले अमरीका में पिछले सालों में नस्लभेद आधारित अपराध बढ़ना वाकई चिंताजनक है। हाल ही अमरीका के फ्लोरिडा में ऐसा ही एक मामला सामने आया जिसमें एक अमरीकी मरीज ने भारतीय मूल की नर्स पर बेरहमी से हमला किया। किसी भी चिकित्साकर्मी पर हमला होना तो गंभीर है ही, इस मामले की गंभीरता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि हमलावर गुस्से में यह कहता नजर आया कि 'इंडियंस आर बैड'। यानी मरीज के दिमाग में भारतीयों के प्रति पहले से ही घृणा भरी हुई थी, जिसके चलते उसने नर्स को बुरी तरह से घायल कर दिया।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी भी समुदाय के खिलाफ घृणा का माहौल बनाने के परिणाम बेहद खतरनाक होते हैं। यह जहर धीरे-धीरे दंगे और सामूहिक नरसंहार जैसे मानवता को लज्जित करने वाले मामले बढ़ाने वाला होता है। यहूदियों के खिलाफ फैलाई गई घृणा ने 'होलोकॉस्ट' को जन्म दिया था, जिसमें बड़ी संख्या में यहूदियों की हत्या कर दी गई थी। वहीं मुस्लिमों के खिलाफ भी माहौल को गंदा कर दिया गया। इसलिए इन घटनाओं को सामान्य घटनाएं मानकर दरकिनार नहीं किया जा सकता। इस तरह के मामलों को रोकने के लिए, इसके मूल कारणों को समझना और उनको दूर करना आवश्यक है। कई देशों में राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, जिससे सामाजिक विभाजन और तनाव बढ़ रहा है। साथ ही तकनीक भी बड़ी समस्या बन रही है। सोशल मीडिया हेट स्पीच और गलत सूचनाओं को फैलाने का एक शक्तिशाली साधन बन गया है। एआइ के जमाने में झूठी सूचनाएं इस तरह से फैलाई जा सकती हैं, जो असल की तरह लगें। इस समस्या से लड़ना बड़ी चुनौती है। आर्थिक असमानता बढ़ने से भी कुछ समूहों में नाराजगी और आक्रोश बढ़ रहा है, जिससे वे दूसरों को निशाना बना सकते हैं। आतंकी हमलों और शरणार्थी संकट ने भी हेट क्राइम के मामलों में वृद्धि की है। यह समस्या किसी एक देश की नहीं है। इसके लिए आपसी सौहार्द और मानवीय मूल्यों में विश्वास को मजबूत करने पर जोर देना आवश्यक है। हर वर्ग को हेट क्राइम की निंदा करनी चाहिए। ऐसे बयानों से बचना चाहिए जो सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देते हैं। सरकारों को ऐसी नीतियों को लागू करना चाहिए जो सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नई व्यापार रणनीति से मुकाबले की कोशिश

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा और मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीन के आयात पर भी 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ प्रभावी किए जाने के बाद इन देशों ने भी अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाए हैं। इससे नया ट्रेड वॉर शुरू हो गया है। अब भारत भी टैरिफ वृद्धि के मद्देनजर अमेरिका के निशाने पर है। जहां भारत में अमेरिकी टैरिफ से टेक्सटाइल, दवाई, ऑटोमोबाइल, इस्पात, एल्युमीनियम और सेमीकंडक्टर जैसे सेक्टर्स में चिंताएं हैं, वहीं हमारे शेयर बाजार के दोनों सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बड़ी गिरावट के दौर में हैं। ऐसे में भारत अमेरिका के लिए उपयुक्त टैरिफ रियायतों की नई रणनीति के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं की ट्रंप की टैरिफ मार से मुकाबला करने को सुनियोजित रूप से आगे बढ़ रहा है।

खास बात यह भी है कि जहां अमेरिका से निर्मित टैरिफ चुनौतियों के बीच अब भारत को निर्यात के नए मौके मिलने की उम्मीद है, वहीं ट्रंप की नीति से भारत को चीन प्लस वन के रूप में दुनिया के वैश्विक व्यापार में तेजी से बढ़ने का मौका भी मिलते हुए दिखाई दे सकेगा। चार मार्च को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया का हर देश भारत के साथ आर्थिक कारोबारी साझेदारी मजबूत करना चाहता है। हमारे उद्योग-कारोबार क्षेत्र को नए मौके हासिल करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। दरअसल, ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट और रेसिप्रोकल टैरिफ की नीति के कारण दुनिया में तेजी से आर्थिक और कारोबारी उठापटक चल रही है। नया व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। वैश्विक व्यापार नए सिरे से दोबारा स्थापित होने जा रहा है। विश्व व्यापार संगठन अब मुख्य स्तम्भ के रूप में नहीं बचा है और सबसे पसंदीदा राष्ट्र के दर्जे के तहत गैर-भेदभावपूर्ण शुल्क खत्म हो रहे हैं। ऐसे में भारत ने रणनीतिपूर्वक एक अप्रैल से प्रभावी होने वाले वर्ष 2025-26 के बजट में अमेरिका से आने वाली वस्तुओं जैसे महंगी मोटरसाइकिल, सैटेलाइट के लिए ग्राउंड इंस्टॉलेशन और सिंथेटिक फ्लेवरिंग एसेंस जैसे कुछ सामानों पर शुल्क घटा दिए हैं।

साथ ही मित्र देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की ऐसी नई रणनीति पर आगे बढ़ा है, जिसमें मित्र देशों को पर्याप्त रियायतें भी हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में विगत 28 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग (ईयू) की प्रेसिडेंट

उर्सला वोन लेयेन ने दोनों पक्षों के बीच कारोबार एवं आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए मुक्त व्यापार समझौता को लेकर जारी किंतु-परंतु को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। दोनों नेताओं ने प्रतिबद्धता जताते हुए अपने संबंधित मंत्रालयों को निर्देश दिया कि दोनों पक्षों के हितों के मुताबिक भारत-ईयू व्यापार समझौते पर इस वर्ष 2025 के अंत तक मुहर लगाई जाए। विगत 13 फरवरी पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के बीच हुई वार्ता के दौरान द्विपक्षीय कारोबार को वर्ष 2030 तक 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है। पिछले माह फरवरी में भारत के दौरे पर आए ब्रिटेन के व्यवसाय व कारोबार मंत्री जोनाथन रेनाल्ड्स ने कहा कि व्यापारिक समझौते का उद्देश्य पांच से छह वर्षों में द्विपक्षीय कारोबार को तीन गुना करना है। इसी तरह अमेरिका और ब्रिटेन के साथ भी मुक्त व्यापार व निवेश समझौते को इसी साल 2025 में पूर्ण किए जाने के मद्देनजर भी भारत ने रणनीति तय की है। उल्लेनीय है कि अमेरिका, यूरोपीय आयोग और ब्रिटेन इन तीनों का भारत के कुल द्विपक्षीय वैश्विक कारोबार में एक-तिहाई से भी ज्यादा का हिस्सा है। निश्चित रूप से इस समय ट्रंप के टैरिफ तूफान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्विपक्षीय व्यापार वार्ताओं की ऐसी डगर को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं, जो उन्होंने तीसरे कार्यकाल से ही लगातार आगे बढ़ाना शुरू किया है। निस्संदेह, अमेरिका के टैरिफ वार के मुकाबले के लिए भारत की नई द्विपक्षीय व्यापार वार्ताएं भारत का एक असरकार हथियार है। भारत के लिए ट्रंप की चुनौतियों के बीच वैश्विक कारोबार के नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। एक ओर अमेरिका में भारत के निर्यात बढ़ सकते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत को वैश्विक निर्यात में भी बढ़त मिल सकती है।

अब चीन पर अमेरिका द्वारा भारी टैरिफ लगाने से जिन क्षेत्रों में चीन अमेरिका को प्रमुखता से निर्यात करता है, उनमें से कई क्षेत्रों में अमेरिका को भारत अपना निर्यात सरलता से बढ़ा सकता है। इन क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल उपकरण, मोबाइल फोन, फुटवीयर, टेक्सटाइल और गार्मेंट्स, फर्नीचर और घर के सजावटी सामान, वाहनों के कल पुर्जे, खिलौने और रसायन आदि शामिल हैं। इस परिप्रेक्ष्य में भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में पहुंच बढ़ाने के लिए वर्ष 2025-26 के बजट में स्वीकृत किया गया।

किम जोंग पर ट्रंप की चुप्पी के मायने

पुष्परंजन

क्या अमेरिका को उत्तर कोरिया के साथ बातचीत फिर से शुरू करनी चाहिए? ठीक एक माह पहले 7 फरवरी को जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने डोनाल्ड ट्रम्प को सुझाव दिया था, कि वो उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन से दोबारा बात करें। लेकिन, ज़ेलेन्स्की से जो अनुभव ट्रम्प ने प्राप्त किया है, उस कड़वे अनुभव के आधार पर ट्रम्प कम से कम किम से तुरंत नहीं उलझेंगे। ज़ेलेन्स्की, चाहे आने वाले दिनों में नरम पड़ जाएं, या खनिज समझौता कर लें, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति की जिस तरह आमने-सामने हेकड़ी उतारी है, उससे उनका प्रभामंडल निस्तेज हुआ है। अटलांटिक से लेकर, एशिया-प्रशांत और मिडल ईस्ट तक कुछ शासन प्रमुखों का हौसला बुलंद हुआ है, कि व्हाइट हाउस से दबो नहीं। तुर्की-ब-तुर्की जवाब दो।

7 फरवरी, 2025 को जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों पर जोर देते हुए कहा, कि च्वह हम सबों के लिए बहुत बड़े धरोहर हैं। मैं उनसे मिलता रहता हूं।ज् इशिबा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि उनके पहले कार्यकाल के दौरान किम के साथ उनकी बातचीत ने कोरियाई प्रायद्वीप पर युद्ध को रोक दिया था। चाहे यह सच हो, या नहीं, ट्रम्प ने निश्चित रूप से अपने पूर्ववर्ती की तुलना में उत्तर कोरिया के साथ बेहतर व्यवहार किया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सुंदर भाषण दिए, लेकिन पूर्वी एशिया के कई देशों, जिनमें अमेरिकी सहयोगी और साझेदार भी शामिल हैं, के सामने वे कमज़ोर नज़र आए। आठ साल तक उन्होंने उत्तर कोरिया के बारे में कुछ नहीं किया, बल्कि बराक ने इसे च्रणनीतिक धैर्यज् की नीति कहा था। इसका फायदा उठाकर प्योंगयांग ने अपने मिसाइल और परमाणु हथियार कार्यक्रमों को रफ्तार दे दी। ट्रम्प, किम जोंग उन से सीधा उलझने से बचते रहे। ट्रम्प ने किम से तीन बार मुलाकात की - 2018 में सिंगापुर में, 2019 में हनोई में, और 2019 में ही उत्तर और दक्षिण कोरिया को अलग करने वाले विसैन्यीकृत क्षेत्र में। फोटोऑप तक सीमित ये बैठकें, इसलिए विफल रहीं क्योंकि वे खराब तरीके से तैयार की गई थीं। इसमें च्परमाणु निरस्त्रीकरणज् का कोई ठोस लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया था।

उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियार, या मिसाइल कार्यक्रमों को वैसे भी नहीं छोड़ने वाला है। उत्तर कोरिया के हवाले से कुछ विशेषज्ञों का आकलन है कि ट्रंप अपने कूटनीतिक टूलबॉक्स से धूल झाड़ सकते हैं, और किम जोंग उन के साथ एक और शिखर सम्मेलन की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन किम, परमाणु राज्य का दर्जा पाने की महत्वाकांक्षा त्याग नहीं सकते। पिछले महीने च्वहं ह्वासोंग-19 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलज् के परीक्षण के बाद, उत्तर कोरिया ने पुष्टि की, कि देश की परमाणु शक्ति को मजबूत करने की नीति कभी नहीं बदलेगी। 2023 में, उत्तर कोरिया ने परमाणु शक्ति को मजबूत करने की अपनी नीति को सुदृढ़ करने के लिए अपने संविधान में संशोधन किया। उसने स्पष्ट कर दिया कि परमाणु संपन्न देश बनने की उसकी स्थिति च्अपरिवर्तनीयज् बनी हुई है।

पिछले महीने, नौ वर्षों में पहली बार, दक्षिण कोरिया और अमेरिका के रक्षा प्रमुखों के बीच की सुरक्षा परामर्श बैठक के बाद जारी किए गए एक संयुक्त बयान में उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण को साझा लक्ष्य के रूप में छोड़ दिया गया। यह एक संभावित संकेत है, कि उत्तर कोरिया का परमाणु निरस्त्रीकरण अब वास्तविक रूप से प्राप्त करने योग्य नहीं है। यदि किम, ट्रंप के साथ बैठते हैं, तो वे उत्तर कोरिया को परमाणु संपन्न देश के रूप में अमेरिका द्वारा मान्यता दिए जाने पर बातचीत करने का प्रयास करेंगे, तथा च्परमाणु निरस्त्रीकरणज् के बजाय च्परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए बाद में प्रदत्त रियायतें मांगेंगे, जो उनके पिछले शिखर सम्मेलनों के दौरान चर्चा में था। कोरिया विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकीकरण के लिए कन्वर्जेंस संस्थान के निदेशक नाम सुंग-वुक का कहना है, च्बदले में ट्रम्प इसकी गारंटी ले सकते हैं, कि अमेरिका की मुख्य भूमि तक पहुंचने में सक्षम उत्तर कोरियाई मिसाइलों का मुंह किम घुमा दें। सवाल यह है, ट्रम्प किम से इतना डरते क्यों हैं? क्या उसका मुंहफट होना ट्रम्प को डराता है, या कि सैन्य दुस्साहस? उत्तर कोरिया, 2022 से रूस-यूक्रेनी युद्ध में शामिल है, जब उसने स्वघोषित डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक और लुगांस्क पीपुल्स रिपब्लिक को मान्यता देकर रूस का समर्थन किया था। उत्तर कोरिया ने रूस में अपने सैन्य कर्मियों को भेजा, जिन्होंने रूसी वर्दी में, और रूसी कमान के तहत रूस के लिए यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उत्तर कोरिया का हथियार उद्योग लहलहा रहा है।

नवंबर, 2024 के मध्य तक, यूक्रेन के साथ संघर्ष में रूसी सशस्त्र बलों को मजबूत करने के लिए 50 उत्तर कोरिया निर्मित एम-1989 कोकसन स्व-चालित हॉवित्जर, और लगभग 20 एम-1991 शॉर्ट-रेंज मिसाइल सिस्टम रूस को दिए गए थे। ट्रम्प अपने दूसरे कालखंड में तानाशाहों से उलझते-उलझते खुद भी डिक्टेटर की भूमिका में आते दिखने लगे हैं। उन्होंने जब यह कहा, कि च्डिक्टेटरज् पुतिन नहीं, ज़ेलेन्स्की है, तब क्रेमलिन को अच्छा लगा था। ओवल ऑफिस में जो कुछ ट्रम्प-ज़ेलेन्स्की के बीच हुआ, पुतिन उस दिन से सॉफ्ट हैं। लेकिन, क्या मालूम इस च्नूरा कुश्तीज् की पटकथा पहले से लिखी गई हो? यह सब देखते हुए, किम जोंग उन में भी रणनीतिक बदलाव की ज़रूरत आन पड़ी है। चीन, ट्रम्प के टैरिफ़ युद्ध से निपटने के वास्ते किसी भी स्तर पर जाने के लिए ताल ठोक रहा है, ऐसे में किम जोंग उन जैसा तानाशाह, शी चीन फिंग को चाहिए ही।

बालकनी में लगा दें ये पौधे मच्छरों की होगी नोएंट्री

मार्च के महीने में मौसम तेजी से बदल रहा है। फिलहाल पश्चिमी विक्षोभ के कारण हवा में ठंड है लेकिन उम्मीद है कि होली के बाद तापमान तेजी से बढ़ेगा। बढ़ते तापमान के साथ मच्छरों की संख्या भी तेजी के साथ बढ़ेगी। लोग मच्छरों से बचने के लिए तमाम तरीके के उपाय करते हैं लेकिन उसके बावजूद भी मच्छर हैं कि घर से निकलने का नाम ही नहीं लेते। लेकिन अब कुछ जरूरी उपाय किया जाए तो मच्छरों को घर से भगाया भी जा सकता है। गर्मी में लोग मच्छरों के आतंक से परेशान हो जाते हैं। मच्छर के घर में दाखिल होते ही बीमारियों का आना भी शुरू हो जाता है। मच्छरों के काटने से डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनियां जैसी गंभीर बीमारियां आ जाती हैं। जो कि आपकी सेहत को तो बिगाड़ ही देते हैं। इसके अलावा कई परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। लोग मच्छरों को भगाने के लिए हानिकारक केमिकल वाले कॉइल्स और लिक्विड का इस्तेमालकरते हैं। उसके बावजूद भी मच्छर हैं जो घर से जाते ही नहीं। लेकिन अगर आप अपने घर में कुछ ऐसे पौधे लगा दें तो मच्छरों को आसानी से घर से बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है। साथी घर की खूबसूरती भी बढ़ेगी।

गेंदा का पौधा

गेंदा, जिसे अंग्रेजी में मेरीगोल्ड कहा जाता है। इसके फूल बेहद ही खूबसूरत होते हैं। यह पौधा मच्छरों को घर से भगाने के लिए भी कारगर है। गेंदे का पौधा घर में लगाने से घर की सुंदरता तो बढ़ेगी ही इसके अलावा मच्छर इसकी तेज सुगंध को पसंद नहीं करते। इसकी वजह से मच्छर आपके घर के आसपास ही नहीं भटकेंगे।

तुलसी का पौधा

तुलसी का पौधा वैसे तो घर में लगाना अच्छा होता है। तुलसी के पौधे का धार्मिक महत्व भी है। लेकिन यह तुलसी का पौधा मच्छरों को भगाने में भी कारगर है। तुलसी के पौधे की खुशबू मच्छरों को पसंद नहीं होती। इसके बाद मच्छर घर में रुकना पसंद नहीं करते। ऐसे में तुलसी के पौधे को गमले में लगाकर दरवाजे या फिर खिड़कियों के आसपास कर रख सकते हैं।

लेमनग्रास का पौधा

लेमनग्रास का पौधा कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है। लेमनग्रास की पत्तियों से मच्छरों को भगाने वाले उत्पाद बनाए जाते हैं। लेमनग्रास का पौधा आप घर में भी लगा सकते हैं। इसकी पत्तियों को काटकर सुखा लें। उसके बाद इन्हें जलाने से मच्छर घर से भाग जाएंगे। इसके अलावा लेमनग्रास की हरी पत्तियों को अगर आप अपने हाथों पर मसल लें तो भी सुगंध आते ही मच्छर दूर भाग जाते हैं।कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है। लेमनग्रास की पत्तियों से मच्छरों को भगाने वाले उत्पाद बनाए जाते हैं। लेमनग्रास का पौधा आप घर में भी लगा सकते हैं। इसकी पत्तियों को काटकर सुखा लें। उसके बाद इन्हें जलाने से मच्छर घर से भाग जाएंगे। इसके अलावा लेमनग्रास की हरी पत्तियों को अगर आप अपने हाथों पर मसल लें तो भी सुगंध आते ही मच्छर दूर भाग जाते हैं।

हंसना मना है

एक औरतः मेरे पास गाड़ी है, बंगला है, बैंक बैलेंस है...तेरे पास क्या है?
दूसरी औरतः मेरे पास 20 साल पहले शादी में सिलवाया हुआ सूट है, जो अभी तक मुझे फिट आता है।

बब्लूः बेकार ही लोग कहते हैं कि पत्नियां अपनी गलती नहीं मानती हैं।
डब्लूः अच्छा... तुम्हारी पत्नी क्या कहती है? बब्लूः कहती है गलती हो गई तुमसे शादी करके!

सोशल मीडिया पर पर्यावरण से जुड़ा मैसेज आया...पेड़ों पर प्रेमिकाओं का नाम लिखने से अच्छा है...उनका नाम लिखवाया जाए। लड़के ने प्रेमिकाओं की लिस्ट बनाई और फाइनल लिस्ट देखने के बाद उसने आम का बगीचा लगाने का फैसला किया।

नई नवेली पत्नीः सुनोजी, तलाक चाहिए...दूसरी शादी करनी है। पति। लेकिन क्यों? पत्नीः हमारी शादी की फोटोज को कम लाइक्स मिले हैं।

मां कल आधी रात को कमरे में आकर बोली- बेटा तुझे पता है कि पेट्रोल सस्ता हो गया है? बेटाः हां मां फिर?
मांः चुपचाप फोन बंद कर के सोजा नहीं तो तेरे इसी फोन पर पैट्रोल डाल के आग लगा दूंगी।

कहानी — अन्तिम इच्छा

विजयनगर के ब्राह्मण बड़े ही लालची थे। वे हमेशा किसी न किसी बहाने राजा से धन वसूल करते थे। राजा की उदारता का अनुचित लाभ उठाना उनका परम कर्तव्य था। एक दिन राजा कृष्णदेव राय ने उनसे कहा, मरते समय मेरी मां ने आम खाने की इच्छा व्यक्त की थी जो उस समय पूरी नहीं की जा सकी थी। क्या अब ऐसा कुछ हो सकता है, जिससे उसकी आत्मा को शांति मिले? महाराज, यदि आप एक सौ आठ ब्राह्मणों को सोने का एक-एक आम भेंट कर दें तो आपकी मां की आत्मा को अवश्य शांति मिल जाएगी। ब्राह्मणों को दिया दान मृतात्मा तक अपने आप पहुंच जाता है। ब्राह्मणों ने कहा। राजा कृष्णदेव राय ने सोने के एक सौ आठ आम दान कर दिए। ब्राह्मणों की मौज हो गई उन आमों को पाकर। तेनाली राम को ब्राह्मणों के इस लालच पर बहुत क्रोध आया। वह उन्हें सबक सिखाने की ताक में रहने लगा। जब तेनाली राम की मां की मृत्यु हुई तो एक महीने के बाद उसने ब्राह्मणों को अपने घर आने का न्योता दिया कि वह भी मां की आत्मा की शान्ति के लिए कुछ करना चाहता है। खाने-पीने और बढ़िया माल पाने के लोभ में एक सौ आठ ब्राह्मण तेनाली राम के घर जमा हुए। जब सब आसनों पर बैठ गए तो तेनाली राम ने दरवाजे बन्द कर लिए और अपने नौकरों से कहा, जाओ, लोहे की गरम-गरम सलाखें लेकर आओ और इन ब्राह्मणों के शरीर पर दागो। ब्राह्मणों ने सुना तो उनमें चीख पुकार मच गई। सब उठकर दरवाजों की ओर भागे। लेकिन नौकरों ने उन्हें पकड़ लिया और एक-एक बार सभी को गरम सलाखें दागी गईं। बात राजा तक पहुंची। वह स्वयं आए और ब्राह्मणों को बचाया। क्रोध में उन्होंने पूछा, यह क्या हरकत है, तेनाली राम? तेनाली राम ने उत्तर दिया, महाराज मेरी मां को जोड़ों के दर्द की बीमारी थी। मरते समय उनको बहुत तेज दर्द था। उन्होंने अंतिम समय में यह इच्छा प्रकट की थी कि दर्द के स्थान पर लोहे की गरम सलाखें दागी जाएं ताकि वह दर्द से मुक्तिपाकर चैन से प्राण त्याग सकें। उस समय उनकी यह इच्छा पूरी नहीं की जा सकी। इसीलिए ब्राह्मणों को सलाखें दागनी पड़ीं। राजा हंस पड़े। ब्राह्मणों के सिर शर्म से झुक गए।

6 अंतर खोजें

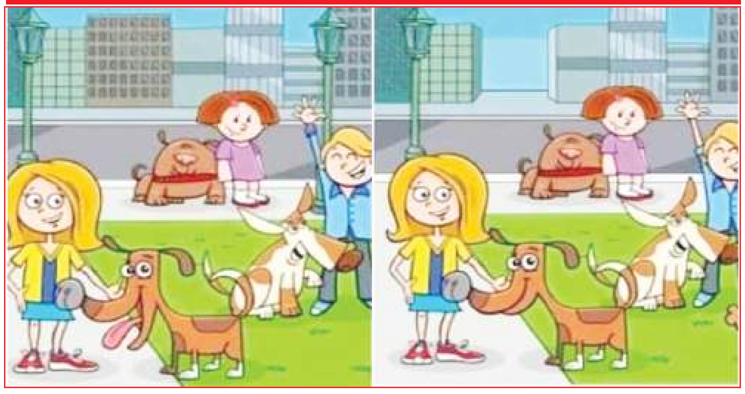

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय में इच्छित लाभ की संभावना है।

वृषभ

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। व्यापारिक निर्णय लेने में देर नहीं करें।

मिथुन

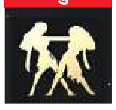

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा।

कर्क

आज घर में क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दुःखद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें।

सिंह

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। बुद्धि एवं मनोबल से सुख-संपन्नता ब?गी।

कन्या

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। बुद्धि एवं मनोबल से सुख-संपन्नता

तुला

मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी। उलझनों से मुक्ति मिलेगी।

वृश्चिक

नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। संतान की ओर से सुखद स्थिति बनेगी।

धनु

अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें। उदर विकार के योग के कारण खान-पान पर संयम रखें।

मकर

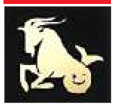

नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ अधिकाधिक लेना चाहिए।

कुम्भ

नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

मीन

कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रुओं से सावधान रहें।

फिल्म कोट्या से निर्देशन में डेब्यू करने जा रही हैं राधिका आप्टे

अपनी अलग अदाकारी के लिए मशहूर अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही फिल्म कोट्या से निर्देशन में डेब्यू करने जा रही हैं। राधिका आप्टे ने कई बॉलीवुड फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी की है। उन्होंने पिछले कुछ सालों में पैडमैन, अंधाधुन, मोनिका और माय डार्लिंग जैसी फिल्मों में बेहतरीन काम किया है। अब राधिका आप्टे एक्शन-फंतासी फिल्म के साथ निर्देशन में कदम रखने जा रही हैं। खबरों के मुताबिक राधिका आप्टे की फिल्म कोट्या एक हिंदी/मराठी एक्शन-फंतासी है। इसमें एक प्रवासी नौजवान की कहानी दिखाई गई है। नायक एक गन्ना काटने वाला शख्स है। जबरदस्ती की एक चिकित्सा प्रक्रिया के बाद नौजवान को कुछ ताकतें मिलती हैं। इसके बाद वह उन ताकतों का इस्तेमाल अपने परिवार का कर्ज उतारने के लिए करता है। फिल्म का प्रोडक्शन विक्रमादित्य मोटवानी कर रहे हैं। रिधिका के काम की बात करें तो वह हाल ही में सिस्टर मिडनाइट में नजर आई थीं। इस फिल्म को कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। फिल्म को बाफ्टा अवॉर्ड के नामांकित किय गया था। राधिका को बीआईएफए अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया था। राधिका ने फिल्म में उस महिला का किरदार निभाया था जिसे जबरदस्ती अरेंज मैरिज में घसीटा जाता है। राधिका आप्टे ने साल 2012 में शादी कर ली थी। पिछले साल राधिका आप्टे ने अपने पति बेनेडिक्ट के साथ अपने बच्चे का स्वागत किया था। इंस्टाग्राम पर राधिका ने एक नवजात बच्चे की तस्वीर साझा की थी। इसमें वह बच्चे को स्तनपान करा रही थी। फोटो में छुट्टी के बाद काम पर उनकी वापसी को दिखाया गया था।

बॉलीवुड | मसाला

खुशी और इब्राहिम की डेब्यू फिल्म 'नादानियां' ओटीटी पर हुई रिलीज

हिंदी फिल्मों की दुनिया में एक और स्टार किड की एंट्री हो चुकी है। सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान, श्रीदेवी की बेटी के साथ फिल्म 'नादानियां' में नजर आ रहे हैं। इब्राहिम और खुशी की इस फिल्म के बारे में जानिए, कुछ खास बातें।

पिछले कुछ समय से स्टार किड्स ओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए एक्टिंग में डेब्यू कर रहे हैं। शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान के बाद अब सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान की पहली फिल्म ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म 'नादानियां' में वह खुशी कपूर के अपोजिट हैं। खुशी पहले ही एक ओटीटी फिल्म 'आर्चीज' में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में उनकी थिएटर रिलीज फिल्म 'लवयापा' भी रिलीज हुई। लेकिन इब्राहिम के लिए यह पहला मौका है, अपने एक्टिंग टैलेंट को दिखाने का। उनकी यह फिल्म यंग ऑडियंस को पसंद आती है या नहीं, यह तो वक्त ही बताएगा।

फिल्म 'नादानियां' के टीचर में फिल्म 'कुछ कुछ होता है' के एक पॉपुलर डायलॉग, सीन को नए जमाने के हिसाब से इस्तेमाल किया गया। शाहरुख खान ने अपनी फिल्म में 'प्यार दोस्ती है' जैसा हिट डायलॉग बोला था। इसी डायलॉग को इब्राहिम अली खान ने फिल्म 'नादानियां' में अलग ढंग से कहा- 'प्यार एक अरेंजमेंट है, दो दिलों के बीच।' लेकिन यह डायलॉग दर्शकों को पसंद नहीं आया। उन्हें लगा कि शाहरुख का चार्म पर्दे पर दिखाना किसी के बस की बात नहीं है। इस बारे में कई सोशल मीडिया यूजर्स रिएक्ट कर चुके हैं। फिल्म 'नादानियां' की कहानी में रेंटल बॉयफ्रेंड का कॉन्सेप्ट है। यही फिल्म को हटकर बनाता है। लेकिन यह कोई नया आइडिया नहीं है। कई कोरियन ड्रामा फिल्म, टीवी शो में रेंटल बॉयफ्रेंड वाली कहानियां दिखाई जा चुकी हैं। बस 'नादानियां' में रेंटल बॉयफ्रेंड के आइडिया में बॉलीवुड मसाला शामिल किया गया है। रोमांस, ड्रामा दर्शकों के लिए भरपूर मात्रा में है।

सोशल मीडिया पर इस फिल्म को रिलीज से पहले ही अलग-अलग तरह के रिएक्शन मिले। किसी को इब्राहिम अली खान पसंद आए तो किसी को लगा कि वह पर्दे पर जम नहीं रहे हैं। खुशी कपूर के लिए भी कहा गया कि अब तक उनकी दो फिल्म 'आर्चीज' और 'लवयापा' को बहुत अच्छा रेस्पॉन्स नहीं मिला है।

बॉलीवुड | मन की बात

प्यार बिना शर्त, यह एकतरफा होना चाहिए :तमन्ना भाटिया

हाल ही में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के ब्रेकअप की खबरें आईं। हालांकि दोनों में से किसी ने भी इस इस अफवाह पर कुछ नहीं कहा है। ऐसे तमन्ना भाटिया ने प्यार पर अपनी राय रखी है। तमन्ना भाटिया ने ल्यूक कौटिन्हो से बातचीत में बताया है कि उनके मुताबिक प्यार की परिभाषा क्या है। बातचीत में तमन्ना भाटिया से पूछा गया कि वह प्यार के बारे में क्या सोचती हैं? उन्होंने इस पर जवाब देते हुए कहा कि प्यार बिना शर्त होना चाहिए, चाहे वह मां-बाप से, पार्टनर से या फिर पालतू जानवर से हो। अगर आप पार्टनर से उम्मीद करना शुरू कर देते हैं तो रिश्ते कारोबार में बदल जाते हैं।

तमन्ना भाटिया ने कहा मुझे लगता है कि लोग प्यार और रिश्ते को लेकर भ्रम में हैं। जैसे ही प्यार में शर्त आ जाती है तो यह प्यार नहीं रहता। प्यार बिना शर्त होना चाहिए। यह एकतरफा होना चाहिए। यह एक जिम्मेदारी है कि आप दूसरे के लिए क्या महसूस करते हैं। जैसे ही आप उम्मीद लगाते हैं और अगर आप ये सोचते हैं कि वह भी वैसा ही करे जैसा हम करते हैं तो यह एक कारोबार में बदल जाता है। मैंने महसूस किया कि अगर मैं किसी से प्यार करती हूं तो उन्हें फ्री छोड़ देना चाहिए, जैसे वो हैं उन्हें वैसे ही रहने देना चाहिए।

आपको बता दें कि विजय और तमन्ना दोनों लंबे वक्त से एक कई मौकों पर एक दूसरे के साथ देखे गए। विजय ने शुभंकर मिश्रा के यूट्यूब चैनल पर बताया फ्रमुझे लगता है कि हम दोनों इस बात से सहमत थे कि अगर हमें साथ में समय बिताना अच्छा लगता है और हम एक-दूसरे को पसंद करते हैं, तो इसे छिपाने की क्या जरूरत है। तमन्ना भाटिया ने सबके सामने विजय को अपना हैप्पी प्लेस बताया। उनके मुताबिक विजय ने उन्हें कभी एटिट्यूड के साथ अप्रोच नहीं किया बल्कि बहुत प्यार से उनसे जुड़े।

कभी पाकिस्तान में होती थी इस संगीतकार के गानों की तस्करी, इंग्लैंड भी था दीवाना

बाड़मेर। कहते है कि किसी की दीवानगी कभी सरहदे नही देखती है। वह सरहद की सीमाएं ही नही सात समंदर को पार कर देती है। ऐसी ही दीवानगी भारत की सरहद से उस पार पाकिस्तान में बिजल खान मेहर की भी है। अब तक हजारों गानों को अपनी आवाज दे चुके बिजल खान मेहर की आवाज की दीवानगी का आलम यह था कि भारत पाकिस्तान के बीच तस्करी के दौर में इसकी ऑडियो कैसेट्स की तस्करी हुआ करती थी।

कहा जाता है कि उस दौर में जब संचार के साधन सीमित थे, तब उनके गाने ऑडियो कैसेट्स के माध्यम से चोरी-छिपे पाकिस्तान तक पहुंचते थे। सीमा पार भी उनके गीतों की जबरदस्त मांग थी। सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं, इंग्लैंड जैसे देशों में भी राजस्थान के प्रवासी और लोकसंगीत प्रेमी उनके गीतों को बड़े चाव से सुनते थे। भारत के स्थानीय तस्कर पाकिस्तान में अपने साथियों के लिए बिजल खान मेहर के कैसेट्स तस्करी कर साथ ले जाते थे। महज साक्षर बिजल खान कई देशों की यात्राएं कर खुद की लाइव परफॉर्मेंस भी दे चुके है।

बिजल खान मेहर एक प्रतिभाशाली गायक और संगीतकार हैं जिन्होंने राजस्थानी संगीत उद्योग में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। बिजल खान मेहर का जन्म साल 1963 को बाड़मेर जिले के शिव तहसील के गूंगा गांव से 10 किमी दूर चका गंगा (अटलानीयो ढाणी) में हुआ। बिजल खान मेहर एक सिन्धी मुस्लिम है जो मेहर बिरादरी से आते है।

बिजल खान मेहर को उनके संगीत की शैली और अपनी आवाज की अनोखी पहचान के लिए जाना जाता है। उनके गीतों में राजस्थानी संस्कृति और परंपराओं की झलक दिखाई देती है। उनके गीतों में रेगिस्तान की रेत, ऊंटों की चाल, लोकजीवन की कहानियां और प्रेम-पीर का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है। खासकर उनका गीत 'धोरां माथे झुपड़ी रे' आमजन के बीच बेहद प्रसिद्ध हुआ था। उन्होंने कई सारे हिट गीत गाए हैं, जिनमें 'बादलिया', धोरे माथे झोपडी,उड़े-बाई री माखी, अंगुठी पूरनमल,लिखिओ बाई रो लेख, मोरुडो जैसे कहीं सारे गीत शामिल हैं। उनके गीतों को राजस्थानी संगीत प्रेमियों द्वारा बहुत पसंद किया जाता है।

अजब-गजब | यहां मनाई जाती है अनोखी होली

महाराष्ट्र के इस जिले में होली में दामाद को गधे पर बैठाकर घुमाया जाता है पूरे गांव में

होली का त्योहार रंगों के साथ मस्ती मजाक का भी त्योहार है। होली पर ज्यादातर लोग रंगों और पानी से होली खेलते हैं। लेकिन देश में कई जगहें ऐसी भी हैं, जहां होली के दिन अजीब परंपराएं निभाई जाती हैं। होली पर देश के अलग-अलग प्रांतों में अलग-अलग तरह से मनाया जाता है। इन जगहों में भारत की एक ऐसी जगह भी शामिल है जहां अनोखे तरीके से होली मनाई जाती है, जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

महाराष्ट्र के बीड जिले में होली अनोखे तरीके से मनाई जाती है। यहां होली के दिन गांव के दामाद को गधे पर बैठाया जाता है और पूरे गांव में घुमाया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि बीडे जिले में इस तरह से होली मनाने की परंपरा 80 साल से चली आ रही है। बीड जिले के एक गांव में होली मनाने की यही परंपरा है। इस गांव के लोग अपने नए दामाद को होली पर अपने घर आने का न्यौता देते हैं। बीड जिले के इस गांव में होली से पहले नवविवाहित दामाद की तलाश की जाती है। यह अनोखी परंपरा गांव के दामाद के साथ की जाती है। होली के दिन दामाद को गधे पर लादकर रंग लगाकर घुमाते हैं। इसके अलावा लोग दामाद को उपहार भी देते हैं। ऐसा कहा जाता है कि करीब 80 साल पहले बीड जिले के विदा येवता गांव में एक देशमुख परिवार रहता था। इस परिवार के दामाद ने होली के दिन रंग लगाने से मना कर दिया था। इसके बाद उसके ससुराल वालों ने उसे रंग लगाने के लिए मना लिया। इसके बाद उन्होंने एक गधे को फूलों से सजाया और उस पर दामाद को बिठाकर पूरे गांव का चक्कर लगाया। तब से यह परंपरा चली आ रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि आनंदराव देशमुख नाम के शख्स ने इस परंपरा की शुरुआत की थी। ऐसी होली उन्होंने सबसे पहले अपने दामाद के साथ मनाई थी। कहा जाता है कि कई बार लोग मजाक के तौर पर दामाद को गधा गिफ्ट कर उस पर बिठा देते हैं। इसके अलावा उनकी पसंद के कपड़े भी मुहैया कराए जाते हैं।

किसी भी राज्य को दंडित नहीं किया जाना चाहिए : जयराम

» भाषा विवाद और परिसीमन मुद्दे पर कांग्रेस ने तोड़ी चुप्पी

» राज्यों को परिवार नियोजन में सफलता के लिए मिले पुरस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाषा नीति और परिसीमन मुद्दे पर कांग्रेस ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि किसी भी राज्य को परिवार नियोजन में उसकी सफलता के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए। मेरा मतलब है, केरल और तमिलनाडु - दक्षिण भारतीय राज्य भारत में परिवार नियोजन में सफलता पाने वाले पहले राज्य थे।

पहली सफलता केरल में मिली थी। यह 1988 में प्रजनन क्षमता के प्रतिस्थापन स्तर पर पहुंच गया। तमिलनाडु 1993 में इस स्तर पर पहुंच गया। उसके बाद, हमारे पास अविभाजित आंध्र था, हमारे पास कर्नाटक था, और फिर, निश्चित रूप से, अन्य राज्यों ने इसका अनुसरण किया। जयराम रमेश ने आगे कहा कि जिन राज्यों ने परिवार नियोजन को गंभीरता से नहीं लिया है, उन्हें सीटों में वृद्धि के मामले में अनुपातहीन रूप से पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए।

स्टालिन ने 7 मुख्यमंत्रियों को लिखा पत्र, चेन्नई में बैठक के लिए बुलाया

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बंगाल की ममता बनर्जी, पंजाब के भगवंत मान और भाजपा शासित ओडिशा के मोहन चंद्र माझी सहित सात समकक्षों से केंद्र द्वारा प्रस्तावित परिसीमन अभ्यास के खिलाफ राजनीतिक दलों की संयुक्त कार्रवाई समिति में शामिल होने का आह्वान किया। उन्होंने केरल के पिनाराई विजयन, कर्नाटक के सिद्धारमैया, तेलंगाना के रेवंत रेड्डी, आंध्र प्रदेश के चंद्रबाबू नायडू के साथ-साथ इन राज्यों में गैर-सत्तारूढ़ दलों और भाजपा के वरिष्ठ राजनेताओं को 22 मार्च को चेन्नई में एक बैठक में सामूहिक पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए कहा है।एमके स्टालिन ने एक्स पर कहा कि परिसीमन संघवाद पर एक ज़बरदस्त हमला है, जो संसद में हमारी जायज़ आवाज़ को छीनकर जनसंख्या नियंत्रण सुनिश्चित करने वाले राज्यों को दंडित करता है। हम इस लोकतांत्रिक अन्याय की अनुमति नहीं देंगे!

भाषाई साम्राज्यवाद भी स्वीकार्य नहीं

जयराम रमेश ने कहा कि भाषाई साम्राज्यवाद भी स्वीकार्य नहीं है। हर किसी को अपनी मातृभाषा में सीखने का अधिकार है। किसी पर भी कोई भाषा जबरन नहीं थोपी जानी चाहिए। हर राज्य में भाषाई अल्पसंख्यक हैं। हम सभी भाषाओं का सम्मान करते हैं। हमें सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। और हां, संविधान की अनुसूची 8 में 22 आधिकारिक भाषाएं हैं, लेकिन यहां बहुत सारी भाषाएं हैं। भारत एक बहुभाषी देश है। हमारी एकता हमारी विविधता से आती है।

बजट सत्र में की गई मनमानी

इसके अलावा उन्होंने कहा कि आम तौर पर बजट सत्र काफी सुव्यवस्थित सत्र होता है। बजट सत्र के पहले भाग में, निश्चित रूप से बजट पेश किया जाता है, और राष्ट्रपति का अभिभाषण, धन्यवाद प्रस्ताव, यह सब खत्म हो जाता है। अब, हम दूसरे चरण में आते हैं। दूसरे चरण में, हम आम तौर पर चार से पांच मंत्रालयों पर विचार करते हैं और अनुदान की मांगों पर चर्चा करते हैं। बजट सत्र के दूसरे चरण में सबसे बड़ा विवाद वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर होने जा रहा है, जिसे जेपीसी के जरिए पारित करा दिया गया। जेपीसी ने विपक्षी सांसदों की तमाम टिप्पणियों को नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने चुनिंदा लोगों को जेपीसी के समक्ष साक्ष्य देने के लिए आमंत्रित किया।

लोकतंत्र में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार : तेजस्वी

» राघोपुर से प्रशांत किशोर के लड़ने पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वैशाली। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने विधानसभा क्षेत्र राघोपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने पहुंचे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में जब उनसे प्रशांत किशोर के राघोपुर से चुनाव लड़ने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी को चुनाव लड़ने का अधिकार है।

उन्होंने कहा, हमें इस बारे में जानकारी नहीं है, लेकिन अगर कोई चुनाव लड़ना चाहता है तो उसका स्वागत है। औरंगजेब से जुड़े एक सवाल पर तेजस्वी यादव ने प्रतिक्रिया देने से इनकार करते हुए कहा कि वह केवल जनहित के मुद्दों पर बात करते हैं। वहीं, राघोपुर प्रखंड के जुरवनपुर में बाबा बागेश्वर के प्रस्तावित कार्यक्रम को रद्द करने को लेकर पूछे गए सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। इसके बाद वह हाजीपुर प्रखंड के छोटी ईशुपुर में एक गृह प्रवेश कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

कोई कहीं भी जा सकता है

बिहार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के लगातार हो रहे दौरों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सभी को कहीं भी जाने और कार्यक्रम करने की स्वतंत्रता है। तेजस्वी यादव राघोपुर प्रखंड के बिदुपुर में राजद युवा नेता निर्दोष यादव की बहन की शादी समारोह में शामिल हुए, जहां उन्होंने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया और उपहार भी सौंपा।

बिहार में नीतीश का राबड़ी पर प्रहार

» गुस्से में सीएम बोले- इनके हसबैंड जेल गए, तो वाइफ को सीएम बना दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधान परिषद में खूब पॉलिटिकल ड्रामा देखने को मिला। सीएम नीतीश कुमार पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी पर भड़क उठे। बड़े ही उखड़े अंदाज में राबड़ी देवी की ओर इशारा करते हुए नीतीश कुमार बहुत तीखा बोल गए। नीतीश कुमार ने राबड़ी देवी की ओर इशारा करते हुए कहा,इनके हसबैंड जेल गए, तो अपनी वाइफ को मुख्यमंत्री बना दिया। ये लोग महिलाओं के लिए कोई काम नहीं किए हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुस्से में कहा, हमने महिलाओं के लिए बहुत काम किया है। इनको (विपक्ष) कुछ मालूम नहीं है। इन लोगों ने आज तक महिलाओं के लिए कोई काम नहीं किया।राबड़ी देवी की ओर इशारा करते हुए सीएम ने कहा दिया, इनका हसबैंड जेल गए, तो अपनी वाइफ को मुख्यमंत्री बना दिया।

एमएलसी उर्मिला के बयान से खड़ा हुआ सियासी बवाल

दरअसल, ये पूरा बवाल राजद एमएलसी उर्मिला ठाकुर के सवाल से शुरू हुआ। वह प्रश्नकाल में जब महिलाओं के मुद्दे पर सरकार से सवाल पूछ रहीं थी, तब नीतीश कुमार को अचानक गुस्सा आ गया। वह सीट से खड़े हो गए और लालू परिवार को निशाने पर ले लिया।

बोलने से पहले कई बार सोचूंगा : अलाहबादिया

» राष्ट्रीय महिला आयोग से मांगी माफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। विवादास्पद यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट को लेकर विवादों में घिरे कंटेंट क्रिएटर्स राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के समक्ष पेश हुए है। रणवीर ने विवाद शुरू होने के बाद से लगातार कार्यक्रम में दिए गए बयानों पर खेद व्यक्त किया है। एनसीडब्ल्यू के सामने उन्होंने अपने शब्दों के प्रति सचेत रहने का वचन दिया है। यूट्यूबर और पीएम मोदी से अवॉर्ड पाने वाले विजेता पॉडकास्टर रणवीर अलाहबादिया लगातार सुर्खियों में बने हुए है।

यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट के एक प्रोग्राम में अपने द्वारा दिए गए विवादित बयान के बाद रणवीर अलाहबादिया विवादों में घिर गए थे। रणवीर ने विवाद शुरू होने के बाद से लगातार कार्यक्रम में दिए गए बयानों पर खेद व्यक्त किया है। शुक्रवार को भी एनसीडब्ल्यू के सामने उन्होंने अपने शब्दों के प्रति सचेत रहने का वचन दिया है। ये जानकारी एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने दी है। इस यूट्यूब शो में शामिल कंटेंट क्रिएटर्स में यूट्यूबर-पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया, अपूर्व मुखीजा उर्फ़ द रिबेल किड, कॉमेडियन समय रैना, जो इंडियाज गॉट लैटेंट शो का नेतृत्व करते हैं, और जसप्रीत सिंह के साथ आशीष चंचलानी ने हिस्सा लिया था। इंडियाज गॉट लैटेंट के इस एपिसोड ने विवाद खड़ा कर दिया था, जब रणवीर इलाहाबादिया ने माता-पिता और सेक्स पर टिप्पणी की थी।

शब्दों के प्रति सचेत रहेंगे, जिससे किसी को ठेस न पहुंचे : एनसीडब्ल्यू

एनसीडब्ल्यू की अध्यक्ष विजया राहतकर ने कहा कि शो में उन्होंने जिस अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया है वह बिल्कुल अभद्र है। उन्होंने कहा कि आयोग इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा। ऐसी भाषा का इस्तेमाल न तो लोगों को स्वीकार्य है और न ही आयोग को। मैं इसकी कड़ी निंदा करती हूं। इसके सामाजिक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, आयोग ने तुरंत इसका संज्ञान लिया और हमने उन्हें नोटिस जारी किया। एक्स पर साझा की गई प्रेस ब्रीफिंग के वीडियो में एनसीडब्ल्यू प्रमुख ने कहा किरणवीर ने कहा है कि उन्हें ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए और उन्होंने गलती की है... सभी ने आयोग के समक्ष माफी मांगी। उन्होंने यह भी कहा कि वे भविष्य में ऐसी कोई गलती नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने शब्दों के प्रति सचेत रहेंगे, जिससे किसी को ठेस न पहुंचे।

दिल्ली कैपिटल्स का प्लेऑफ का सपना धूमिल

» महिला प्रीमियर लीग : गुजरात जायंट्स ने पांच विकेट से दी मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । गुजरात जायंट्स ने हरलीन देओल (नाबाद 70 रन) के अर्धशतक से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के रोमांचक मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ तीन गेंद रहते पांच विकेट से जीत दर्ज कर खुद को प्लेऑफ की दौड़ में बरकरार रखा।

यह गुजरात जायंट्स की लगातार तीसरी जीत है जिससे वह आठ अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है और प्लेऑफ की दौड़ में कायम है। दिल्ली कैपिटल्स के 10 अंक हैं। दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तान मेग लैनिंग ने 57 गेंद में 15 चौके और एक छक्के से 92 रन बनाये। उन्होंने और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (40 रन,27 गेंद, तीन चौके, तीन छक्के) ने महज नौ ओवर के अंदर तेजी से पहले विकेट के लिए 83 रन की साझेदारी कर धमाकेदार शुरूआत कराई जिससे टीम ने पांच विकेट पर 177 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात जायंट्स 19.3 ओवर में पांच विकेट पर 178 रन ही बनाकर जीत दर्ज की। हरलीन के अलावा बेथ मूनी की 44 रन की पारी भी अहम रही। अंत में कप्तान एशले गार्डनर (13 गेंद में 22 रन) और डायंड्रा डोटिन (10 गेंद में 24 रन) ने तेजी से रन जुटाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया।

लैनिंग की उम्दा बल्लेबाजी

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने अच्छी शुरूआत की। लेकिन शेफाली नौंवे ओवर में मेघना सिंह की गेंद पर एक और छक्का लगाने के प्रयास में बाउंड्री पर फोबे लिचफील्ड के हाथों कैच आउट हो गईं। पर लैनिंग क्रीज पर डटी रहीं और आक्रामक इरादे के साथ बल्लेबाजी जारी रखीं। दिल्ली कैपिटल्स ने जेस जोनासन और जेमिमा रोड्रिग्स के विकेट जल्दी गंवा दिए। एनाबेल सदरलैंड (8 गेंद पर 14 रन, दो चौके) ने लैनिंग को कुछ समय के लिए साथ दिया, लेकिन वह भी बड़ा हिट लगाने की कोशिश में पवेलियन पहुंच गईं। लैनिंग अंतिम ओवर में डोटिन की गेंद पर बोल्ड होकर शतक से आठ रन से चूक गईं। वह धीमीऔर बैक-ऑफ-लेंथ गेंद पर पूरी तरह से लाइन से चूक गईं जिससे उनके स्टंप उखड़ गए। गुजरात जायंट्स की गेंदबाजों में मेघना सिंह सबसे सफल रहीं जिन्होंने 35 रन देकर तीन और डायंड्रा डोटिन ने 37 रन देकर दो विकेट झटके।

मणिपुर में रास्ते खुलते ही भड़क उठी हिंसा

» 22 महीने बाद खुले थे रास्ते, कुछ ही घंटों में बढ़ गया बवाल

» दागने पड़े आंसू गैस के गोले, केंद्र सरकार ने निर्देश पर खोले गए थे रास्ते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। राष्ट्रपति शासन लगने के बाद भी मणिपुर में हिंसा रूकने का नाम नहीं ले रही है। वहां पर कई रास्ते कई महीनों के बाद खोले गए बवाल हो गया। बवाल कितना बड़ा था इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है सुरक्षा बलों को बलवाइयों को रोकने के लिए आंसे गैस के गोले छोड़ पड़े। मणिपुर एक बार फिर से तनाव बढ़ गया है। केंद्र के पब्लिक ट्रांसपोर्ट की आवाजाही से रोक हटाने वाले निर्देश का विरोध कर रही भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सुरक्षा बलों को बल प्रयोग करना पड़ा। उन्होंने इंफाल घाटी और कांगपोकपी जिले के बीच बॉर्डर पर आंसू गैस के गोले दाग विरोध कर रही भीड़ को हटाने की कोशिश की।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट की आवाजाही से खुश नहीं लोग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश के बाद अधिकारियों ने राज्य के सभी बंद रास्तों को खोल दिया। लेकिन बहुत से लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट का आवाजाही से खुश नहीं हैं। वह इसका विरोध कर रहे हैं। जिसकी वजह से तनाव फिर से बढ़ गया है। कांगपोकपी में महिला समूहों ने इंफाल से लाई गई मणिपुर राज्य परिवहन की बस को रोकने की कोशिश की। जिसके बाद सुरक्षाबलों को प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए बल प्रयोग करना पड़ा।

दरअसल केंद्र सरकार ने निर्देश दिए थे कि मैतेई और कुकी समुदाय के बीच संघर्ष की वजह से पिछले 22 महीने से बंद सभी रास्तों को शनिवार को आम लोगों के लिए खोल दिया जाए, जिससे लोग आसानी से आ-जा सकें।

इससे पहले मणिपुर के राज्यपाल ए.के. भल्ला के नेतृत्व वाले प्रशासन ने केंद्र के निर्देश को मानते हुए बंद रास्तों को खुलवा दिया। लोगों की आसान आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने सार्वजनिक बसों की व्यवस्था की है, जो केंद्रीय बलों की सुरक्षा के बीच शनिवार से पहाड़ी और घाटी क्षेत्र के बीच चल रही हैं। इम्फाल-कांगपोकपी-सेनापति,सेनापति-कांगपोकपी-इम्फाल,इम्फाल-बिष्णुपुर-चुराचंदपुर,चुराचंदपुर-बिशुपुर-इम्फाल,इम्फाल-चुराचंदपुर और उखरुल के बीच हेलीकॉप्टर सेवाएं भी शुरू होने जा रही हैं।

सार्वजनिक बसों की व्यवस्था

मई 2023 से मणिपुर में जातीय संघर्ष के बाद से बंद थे बहुत से रास्ते

बता दें कि मई 2023 में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जातीय संघर्ष शुरू हुआ था। इसमें 250 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। बवाल इतना ज्यादा बढ़ गया कि मैतेई समुदाय के लोगों ने कुकी-बहुल पहाड़ियों में अपने घरों को छोड़ दिया। वहीं कुकी समुदाय के लोग भी मैतेई क्षेत्रों में घरों को छोड़कर चले गए।

शांति मार्च ने बढ़ाया तनाव

हालांकि हाईवे पर आसान आवाजाही शुरू करने के लिए निर्देश के बीच शनिवार को प्रस्तावित शांति मार्च ने तनाव को एक बार फिर से बढ़ा दिया। घाटी के करीब 20 संगठनों के समूह, फेडरेशन ऑफ सिविल सोसाइटीज के नियोजित मार्च से पहले मैतेई बहुल इंफाल और कुकी जनजातियों वाली पहाड़ियों में सुरक्षा बढ़ा दी गई।

कुकी और नागा लोगों के बीच कोई दुश्मनी नहीं रखेंगे : मनिहार

एफओसीएस के प्रमुख टीएच मनिहार ने कहा, हम यह शांति रैली घाटी और पहाड़ियों को एकजुट करने के लिए इंफाल से सेनापति तक निकाल रहे हैं। हम वहां जाकर उनके साथ बैठकर चर्चा करेंगे, उन्होंने कहा कि हम अपने कुकी और नागा लोगों के बीच कोई दुश्मनी नहीं रखेंगे, हम सभी मणिपुर के निवासी हैं।

जनजातीय एकता समिति ने भी अमित शाह के फ्री मूवमेंट के आह्वान को नकारा

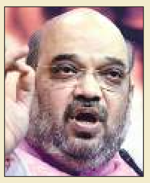

जनजातीय एकता समिति (सीओटीयू) ने भी अमित शाह के फ्री मूवमेंट के आह्वान को अस्वीकार कर दिया। समिति ने कहा कि मार्च को सुविधाजनक बनाना बफर ज़ोन का स्पष्ट उल्लंघन होगा। आईटीएलएफ के प्रवक्ता गिन्ज़ा वुअलज़ोंग ने कहा, हम माल की आवाजाही का स्वागत करते हैं, लेकिन सुरक्षा कारणों से लोगों की आवाजाही का स्वागत नहीं करत,लोग अभी भी बहुत बावुक हैं, वहीं कुकी समुदायक की अलग प्रशासन की मांग पर कोई बातचीत नहीं हुई है।

धान उपार्जन घोटाले को लेकर मप्र में बवाल

» जीतू पटवारी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में धान उपार्जन में घोटाले की शिकायत के बाद ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू कर दी है। एजेंसी ने कई जिलों के उपार्जन केंद्रों पर छापा मारा है। अब इसको लेकर सियासत भी तेज हो गई है। इसी को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने सीबीआई से जांच कराने की मांग की है। साथ ही आशंका जताई कि घोटाला कई सौ करोड़ रुपये का है।

पटवारी ने पीएम मोदी को पत्र में लिखा कि मध्य प्रदेश में किसानों के साथ हो रही धोखाधड़ी और व्यापक भ्रष्टाचार को लेकर मैं आपका ध्यान एक बड़े घोटाले की ओर दिलाना चाहता हूं। प्रदेश में धान उपार्जन में बड़े पैमाने पर घोटाला सामने आया है, जिसमें अधिकारियों की मिलीभगत और सरकारी संरक्षण से किसानों के हक पर डाका डाला गया है, लेकिन राज्य सरकार इसे दबाने का प्रयास कर रही है। पटवारी ने आरोप लगाया कि इस घोटाले में भाजपा की प्रदेश सरकार के प्रभावशाली नेताओं की संलिप्तता के कारण निष्पक्ष जांच की संभावना नहीं है। जैसा कि पहले भी देखा गया है, सरकार अपने कुछ प्यादों पर कार्रवाई कर असली दोषियों को बचाने का प्रयास करती है। इसलिए, हम मांग करते हैं कि इस घोटाले की जांच सीबीआई से करवाई जाए, ताकि असली दोषियों को कानून के कटघरे में खड़ा किया जा सके।

भ्रष्टाचार का गढ़ बना मध्य प्रदेश : पटवारी

पटवारी ने कहा कि यह पहला अवसर नहीं है, जब भाजपा सरकार के संरक्षण में इस तरह का घोटाला हुआ हो। परिवहन घोटाला, महाकाल लोक घोटाला,

आदिवासी छात्रवृत्ति घोटाला और अब धान उपार्जन घोटाला, ये दर्शाते हैं कि मध्य प्रदेश भ्रष्टाचार का गढ़ बन चुका है। सच्चाई यह है कि भाजपा सरकार किसानों को ठगने का काम कर रही है। पहले तो समर्थन मूल्य पर धान खरीद में गड़बड़ी की गई और अब किसानों की उपज को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया गया। अगर इस घोटाले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई, तो यह किसानों के साथ घोर अन्याय होगा।

चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता : उपेन्द्र द्विवेदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को चीन और पाकिस्तान को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वहीं, पाकिस्तान को लेकर जनरल द्विवेदी ने कहा कि वह आतंकवाद रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, भारतीय सेना आधुनिक तकनीकों को तेजी से अपना रही है और हर परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

महिला समृद्धि योजना को लेकर दिल्ली में कोहराम

कांग्रेस नेता संदीप बोले कहां से आएगा फंड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के महिलाओं के 2500 रुपये महीने देने की योजना को लेकर सियासत गर्म है। जहां आप की नेता आतिशी सीएम रेखा गुप्ता व पीएम मोदी पर वादा खिलाफी का आरोप लगाकर हमलावर है वहीं अब कांग्रेस ने भी सुर तेज कर दए हैं।

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने शनिवार को दिल्ली में महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह प्रदान करने की भाजपा की वित्तीय सहायता योजना के कार्यान्वयन पर सवाल उठाया और कहा कि इस योजना से राष्ट्रीय

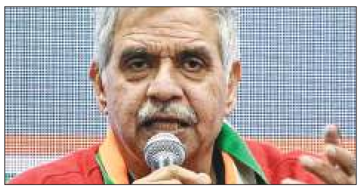

राजधानी के बजट का 60 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि अगर वे अपना वादा पूरा करते हैं तो हम उसका स्वागत करेंगे। लेकिन, एक ही सवाल है कि इसके लिए पैसे कहां से आएंगे?

पेगासस विवाद : सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई टाली

» जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर 22 अप्रैल को सुनवाई करेगा कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वह पत्रकारों समेत अन्य की निगरानी के लिए पेगासस स्पाइवेयर (जासूसी करने वाला एक तरह का सॉफ्टवेयर)के कथित अनधिकृत इस्तेमाल की जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर 22 अप्रैल को सुनवाई करेगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सुनवाई स्थगित कर दी, क्योंकि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने स्थगन की मांग करते हुए कहा कि मामला लंबे समय के बाद सामने आया है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि शुक्रवार को केवल दो याचिकाएं सूचीबद्ध थीं और अन्य संबंधित याचिकाएं थीं, जिन पर सुनवाई की आवश्यकता थी। पीठ ने रजिस्ट्री को इस मुद्दे पर सभी मामलों की सुनवाई 22 अप्रैल के लिए तय करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने 25 अगस्त, 2022 को कहा था कि पेगासस के अनधिकृत इस्तेमाल की जांच के लिए उसके द्वारा नियुक्त तकनीकी पैनल ने जांचे गए 29 सेलफोन में से पांच में कुछ मैलवेयर पाए, लेकिन यह नहीं माना जा सकता कि इजराइली स्पाइवेयर का इस्तेमाल किया गया था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com |
website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।